

# भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : दिसम्बर 2008

## प्रश्न पत्र-II

समय : 3 घंटे

कुल अंक : 50

प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करते हुए, कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दें। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। प्रश्न 1 और 6 अनिवार्य हैं।

### भाग-I (षडबल)

1. निम्न कुण्डली में स्थान बल की गणना करें।  
जन्म समय - 12.10.1972, 7:10 बजे, कानपुर (उ.प्र.)  
लग्न - तुला 08:36, सूर्य - कन्या 25:20, चन्द्र - वृश्चिक 17:14  
मंगल - कन्या 13:41, बुध - तुला 10:30, गुरु - धनु 08:23  
शुक्र - सिंह 14:15, शनि (व) - वृष 27:02, राहु - धनु 27:54  
केतु - मिथुन 27:54
2. संक्षिप्त में लिखें :-  
क. षडबल ख. इष्ट और कष्ट बल ग. काल बल
3. प्रश्न 1 में दी कुण्डली में पक्ष बल की गणना करें।
4. प्रश्न 1 में दी कुण्डली में दिक् बल की गणना करें।
5. क) ग्रह युद्ध क्या है? फलित ज्योतिष में इसकी क्या महत्ता है?  
ख) राहु व केतु को षडबल में क्यों सम्मिलित नहीं किया है? कारण बताएं।

### भाग-II (फलित ज्योतिष)

6. किन्हीं दो पर चर्चा करें :-  
क) भावात् भावम नियम की उदाहरण सहित व्याख्या करें?  
ख) दशम भाव व दशमेश का महत्त्व समझाएं।  
ग) भाव निर्णय में भावाधिपति बल, भाव दिक्बल और भाव दृष्टि बल की तुलनात्मक महत्ता बताएं? उदाहरण सहित समझाएं।
7. निम्न कुण्डली का अध्ययन कर दशम भाव पर चर्चा करें, जातक ने कर्म क्षेत्र में क्या उपलब्धियाँ प्राप्त की? कारण सहित बताएं।  
जन्म समय : 28.8.1936, 15:57 बजे, चिकमंगलूर, दशाशेष : शुक्र 11व 10 म. 8दि.  
लग्न - धनु 28:52 सूर्य - सिंह 11:56, चन्द्र - धनु 18:46  
मंगल - कर्क 18:36 बुध - कन्या 7:53 गुरु - वृश्चिक 22:03  
शुक्र - सिंह 28:25, शनि (व) - कुंभ 27:15, राहु - धनु 08:32  
केतु - मिथुन 08:32
8. वर्ग कुण्डलियों की क्या महत्ता है? प्रश्न 7 में दी कुण्डली के नवांश व दशांश पर चर्चा करें।
9. पंच महापुरुष योग क्या है? उनका महत्त्व समझाएं। प्रश्न 7 में दी कुण्डली क्या इनमें से कोई योग बन रहा है? यदि हाँ तो उस योग से जातक को क्या लाभ मिले होंगे?
10. क) किसी भाव के विवेचन किन तथ्यों का प्रयोग करेंगे?  
ग) राहु व केतु सभी भावों को कैसे प्रभावित करते हैं?